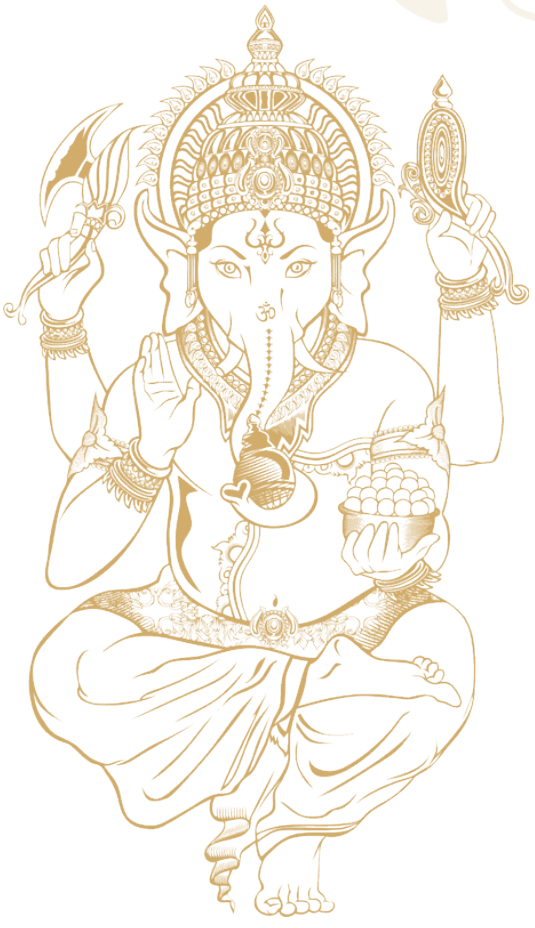

Subham

Shubhanshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121348905

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/12/1998	जन्म तिथि	17/03/1999
सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:35:00	जन्म समय	14:35:00 घंटे
घटी 33:55:35	जन्म समय(घटी)	20:18:08 घटी
India	देश	India
Muzaffarnagar	स्थान	Meerut
29:28:00 उत्तर	अक्षांश	29:00:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व	रेखांश	77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12	स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:00:46	सूर्योदय	06:27:41
17:20:22	सूर्यास्त	18:28:13
23:50:21	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:35

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 2वर्ष 8मा 18दि		06:05:22	कर्क	लग्न	कर्क	12:56:58	गुरु 7वर्ष 6मा 15दि	
शुक्र		21:27:33	वृश्चि	सूर्य	मीन	02:28:51	बुध	
26/08/2025		14:45:32	कर्क	चंद्र	कुंभ	27:02:50	01/10/2025	
26/08/2045		11:48:38	कन्या	मंगल	तुला	18:21:05	01/10/2042	
शुक्र	26/12/2028	08:40:13	वृश्चि व	बुध व	मीन	07:00:47	बुध	28/02/2028
सूर्य	26/12/2029	25:18:19	कुंभ	गुरु	मीन	13:38:19	केतु	24/02/2029
चन्द्र	27/08/2031	00:57:28	धनु	शुक्र	मेष	04:54:03	शुक्र	26/12/2031
मंगल	26/10/2032	03:22:14	मेष व	शनि	मेष	07:52:14	सूर्य	31/10/2032
राहु	27/10/2035	00:51:26	सिंह व	राहु व	कर्क	27:58:41	चन्द्र	02/04/2034
गुरु	27/06/2038	00:51:26	कुंभ व	केतु व	मक	27:58:41	मंगल	30/03/2035
शनि	26/08/2041	15:59:32	मक	हर्ष	मक	21:16:55	राहु	16/10/2037
बुध	26/06/2044	06:25:10	मक	नेप	मक	09:50:33	गुरु	22/01/2040
केतु	26/08/2045	14:21:56	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	16:39:01	शनि	01/10/2042

लग्न-चलित

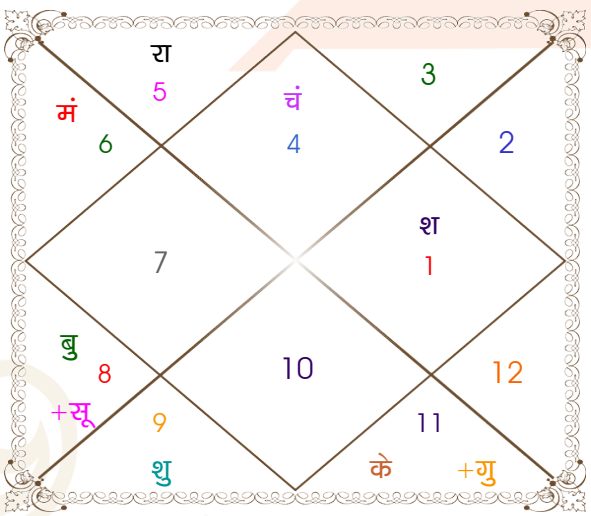

लग्न-चलित

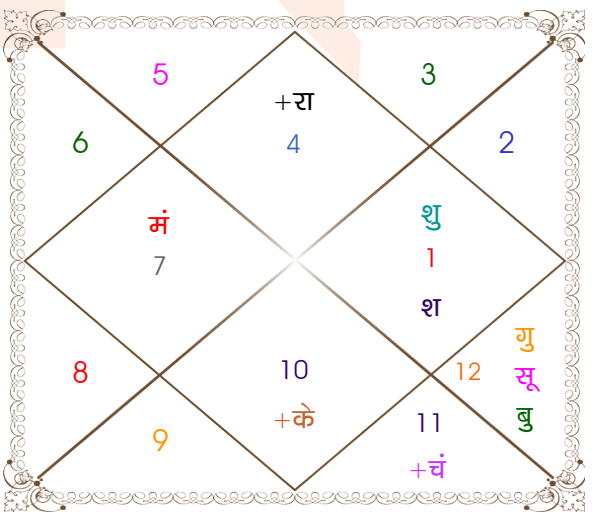

Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Subham का वर्ग श्वान है तथा ौनईंदीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Subham और ौनईंदीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Subham मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ौनईंदीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Subham कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Subham तथा ौनईंदीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।